मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 283 ■ रविवार 8 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'मेरे बयान को गलत समझा गया'

कांजुरमार्ग-बदलापुर मेट्रो को मिली गति

■ OPEC फंड से फाइनेंशियल मदद के संकेत

■ 18,000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट

बदलापुर. मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के बड़े मेट्रो रूट नंबर 14 (कांजुरमार्ग से बदलापुर) प्रोजेक्ट ने अब ग्लोबल लेवल पर रफ़्तार पकड़ ली है। OPEC फंड फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट ने इस प्रोजेक्ट के लिए फाइनेंशियल मदद देने में पॉजिटिव दिलचस्पी दिखाई है, जिससे बदलापुरकरों के मेट्रो सफर के सपने को सच करने की मुहिम तेज हो गई है।

OPEC फंड के एक हाई-लेवल डेलीगेशन ने गुरुवार (तारीख 5) को मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी से मुलाकात की। इस मीटिंग में करीब 18,000 करोड़ रुपये के मेट्रो 14 प्रोजेक्ट की फाइनेंसिंग, 'मुंबई 3.0' और अलग-अलग वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स के बारे में डिटेल में बातचीत हुई। OPEC फंड पहले से ही MMRDA के मेट्रो रूट नंबर 5 (ठाणे-भिवंडी-कल्याण) प्रोजेक्ट के 'सिस्टम कंपोनेंट्स' के लिए फाइनेंसिंग पार्टनर के तौर पर काम कर रहा है। अब, ऑर्गनाइज़ेशन ने मेट्रो रूट 14 के साथ 'मुंबई 3.0' और ज़रूरी वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स में अपनी फाइनेंशियल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अपनी तैयारी दिखाई है। इससे रुके हुए और बड़े प्रोजेक्ट्स को इंटरनेशनल फंड्स के ज़रिए रफ़्तार मिलने की उम्मीद बनी है और राज्य सरकार और MMRDA पर फाइनेंशियल दबाव भी कम होगा।

बदलापुर को मुंबई मेट्रोपॉलिटन एरिया में सबसे तेज़ी से बढ़ते शहर के तौर पर जाना जाता है। इस शहर से, जहाँ ज़्यादातर वर्किंग क्लास रहती है, लाखों लोग रोज़ाना जानलेवा लोकल ट्रेनों से कल्याण, ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई आते-जाते हैं। एक ही रेलवे लाइन पर बहुत ज़्यादा दबाव होने की वजह से एक्सीडेंट्स की संख्या भी बढ़ गई है। क्योंकि रेलवे के अलावा लंबी दूरी के लिए कोई सस्टेनेबल पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम नहीं है, इसलिए बदलापुर-अंबरनाथ एरिया के लिए मेट्रो की तुरंत ज़रूरत है।

असल काम इसी साल शुरू होगा

कांजुरमार्ग से बदलापुर तक प्रस्तावित मेट्रो लाइन लगभग 38 से 45 किलोमीटर लंबी है और इस पर लगभग 15 से 20 स्टेशन प्रस्तावित हैं। कांजुरमार्ग, विक्रोली, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, शिल्फाटा, महापे, घनसोली, ऐरोली, तुर्भे, दीघा, अंबरनाथ और बदलापुर इसके मुख्य स्टेशन हो सकते हैं। प्रस्ताव में कांजुरमार्ग में एक अंडरग्राउंड स्टेशन और ठाणे क्रीक के नीचे एक सुरंग के ज़रिए मेट्रो ले जाने की योजना भी शामिल है। प्रोजेक्ट की डिटेल्ड रिपोर्ट पहले ही मंज़ूर हो चुकी है और अगर सभी प्रोसेस समय पर पूरे हो जाते हैं, तो असल काम 2026 में शुरू होने की संभावना है। कुछ फ़ेज़ 2030 तक पूरे होने की उम्मीद है। यह मेट्रो प्रोजेक्ट यात्रा के समय को काफ़ी कम कर देगा और लोकल यात्रा के दौरान होने वाले एक्सीडेंट और रोज़ाना की परेशानियों को कम करेगा, जिससे बदलापुर के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

अंबरनाथ मेडिकल कालेज के सुपुर्द KDMC के 3 अस्पताल

■ अंबरनाथ मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे 200 जूनियर डॉक्टर विद्यार्थी

अंबरनाथ. अंबरनाथ मेडिकल कालेज में दूसरे वर्ष 200 जूनियर डॉक्टर विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. ये कॉलेज एक इमारत में चल रहा है. सरकारी तौर पर इमारत निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने वाला है. मेडिकल कॉलेज में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को प्रैक्टिस की जरूरत है. इसलिए केडीएमसी और अंबरनाथ मेडिकल कॉलेज के बीच एक समझौता हुआ है, जिसके अनुसार केडीएमसी के 3 सरकारी अस्पताल रुक्मिणीबाई अस्पताल, शक्तिधाम और गौरीपाड़ा अस्पताल अब 7 वर्ष के लिए मेडिकल कॉलेज की निगरानी में कामकाज करेंगे.

ये अस्पताल केवल डिस्पेंसरी बनकर रह गए थे. अंबरनाथ मेडिकल कॉलेज से जुड़ने के बाद गरीब और जरूरतमंद मरीजों को सस्ता और ऊंचे दर्जे का उपचार प्राप्त होगा. जिसके लिए मरीजों को मुंबई अथवा निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था. अंबरनाथ में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए निविदा सूचना भी निकाली जा चुकी है. शहर पूर्व में फार्मिंग सोसायटी के पास ये मेडिकल कॉलेज बनेगा, जिसमें पढ़ने वाले जूनियर डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए बड़े अस्पतालों की जरूरत है. इसको ध्यान में रखते हुए केडीएमसी और अंबरनाथ मेडिकल कॉलेज के बीच एक करार हुआ है, जिससे केडीएमसी शहरवासियोंम को लाभ होगा. जूनियर डॉक्टरों के साथ मेडिकल कालेज के सीनियर डॉक्टर प्रोफेसर और स्पेशलिस्ट डॉस्टर भी इन अस्पतालों में मरीजों का उपचार करेंगे. पहले दौर में रुक्मिणीबाई अस्पताल में आईसीयू और इमरजेंसी सर्विस शुरू हो जाएगी. ताकि सीरियस, दुर्घटना ग्रस्त मरीजों की जान को बचाया जा सके. गौरीपाड़ा अस्पताल को जचगी और बच्चों की बीमारियों के लिए बनाया जाएगा.

खेलने निकली बच्ची की गड्ढे में मिली लाश

ठाणे. शहर के शील -डायघर पुलिस थाना क्षेत्र इलाके के खान कंपाउंड के पानी से भरे एक गड्ढे में शनिवार को सुबह एक 6 साल की बच्ची की लाश मिलने से सनसनी फ़ैल गयी. बच्ची शुक्रवार को दुसरे बच्चों के साथ घर से खेलने के लिए निकली थी. मौत की खबर से इलाके में शोक का वतावरण है. मामले की जांच शील -डायघर पुलिस कर रही है.

मृतक बच्ची की पहचान कशफ नबीला खान (06) के रूप में हुई है. वह शीलफाटा के आशना हाइट्स में रहती थी. शुक्रवार शाम करीब 5 बजे वह अपने घर के पास के इलाके में अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी. देर शाम जब वह घर नहीं पहुंची तो परिवार के लोगों ने उसे इधर उधर ढूंढना शुरू किया.नहीं मिलने पर पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी गयी.

उल्हासनगर में 'महिलाराज'

स्नेहा कर्पे | अश्विनी निकम | दीपाली चौगुले | मनीषा आव्हाले | नीलम कदम | विशाखा मोटघरे

■ म्युनिसिपल कमिश्नर से लेकर मेयर तक

■ अहम पद महिलाओं के हाथ में

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पावर सेंटर पर अब महिलाओं की लीडरशिप ने अपनी छाप छोड़ दी है. एडमिनिस्ट्रेशन की लाइनों को संभालने वाले अहम पदों से लेकर सबसे ऊंची पावर तक, महिलाओं का दबदबा है, और 'महिलाराज' का कॉन्सेप्ट सिर्फ चर्चा में नहीं है बल्कि शहर के एडमिनिस्ट्रेशन में देखा जा रहा है. पावर से लेकर एडमिनिस्ट्रेशन तक, अहम पद महिलाओं के हाथ में आ गए हैं.

मंगलवार (गुरुवार 3) को मनपा में अश्विनी निकम ने महापौर का पद संभाला. इसी वजह से कहा जा रहा है कि उल्हासनगर में महिलाराज की शुरुआत हो गई है. इसके अलावा, मनीषा आव्हाले कमिश्नर, विशाखा मोटघरे डिप्टी कमिश्नर, दीपाली चौगुले जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की डिप्टी कमिश्नर, स्नेहा कर्पे एजुकेशन डिपार्टमेंट की डिप्टी कमिश्नर, मोहिनी धर्मा हेल्थ डिपार्टमेंट में टैक्स असेसर और कलेक्शन ऑफिसर, नीलम कदम टैक्स असेसर और कलेक्शन ऑफिसर, सलोनी निवकर असिस्टेंट कमिश्नर, श्रद्धा बाविस्कर सिटीजन फैसिलिटी सेंटर की हेड, छाया डांगले प्रॉपर्टी मैनेजर, संजीवनी सुतार सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट और अलका पवार वार्ड नंबर 4 की असिस्टेंट कमिश्नर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

ये सभी डिपार्टमेंट महानगर पालिका के रोज़ाना के कामों के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग, टैक्सेशन, एजुकेशन सिस्टम, हेल्थकेयर, सोशल वेलफेयर, प्रॉपर्टी मैनेजमेंट और नागरिकों से सीधे जुड़ी सुविधाओं जैसे सभी क्षेत्रों में महिला लीडरशिप आगे आई है। फैसले लेने की क्षमता, एडमिनिस्ट्रेटिव अनुशासन और ट्रांसपेरेंसी की वजह से अधिकारियों के काम करने के तरीके एडमिनिस्ट्रेटिव सर्कल में चर्चा का विषय बन रहे हैं।

बुनियादी सुविधाओं पर खास ध्यान

उल्हासनगर के नागरिकों ने जो भरोसा हम पर जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए मैं पूरी लगन से काम करूंगी। चार साल बाद, चुने हुए लीडरशिप को दी गई ज़िम्मेदारी सिर्फ़ पद की नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की भी है। नवनिर्वाचित महापौर अश्विनी निकम ने कहा, मैं उल्हासनगर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दिन-रात काम करूंगी, जिसमें पानी, सड़क, सफ़ाई, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं पर खास ध्यान दिया जाएगा। नागरिकों को उम्मीद है कि शहर का रुका हुआ विकास अब रफ़्तार पकड़ेगा।

केंद्रीय बजट से उल्हासनगर के व्यापार को नई दिशा

उल्हासनगर. भारतीय जनता पार्टी के ज़िला ऑफ़िस में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह पक्का यकीन जताया गया कि सेंटर गवर्नमेंट का पेश किया गया नया बजट उल्हासनगर में ट्रेड, छोटे उद्योगों और लोकल व्यापारियों के लिए डेवलपमेंट के नए मौके पैदा करेगा।

यह खास प्रेस कॉन्फ्रेंस बिज़नेस के नज़रिए से इस बजट के अलग-अलग प्रोविज़न पर गहराई से नज़र डालने के लिए रखी गई थी।

इस मौके पर मौजूद बड़े लोगों ने एनालाइज़ किया कि बजट में की गई घोषणाओं से शहर की इकोनॉमिक एक्टिविटीज़ को कैसे बढ़ावा मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को एड्रेस करते हुए प्रदीप रामचंदानी ने कहा कि इस बजट का मेन फ़ोकस 'लोकल टू वोकल' के कॉन्सेप्ट को मज़बूत करना है। माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज़ेज़ को मज़बूत बनाने के लिए किए गए प्रोविज़न उल्हासनगर जैसे कमर्शियल शहर के लिए बहुत फ़ायदेमंद होंगे। टैक्स रिफ़ॉर्म, ट्रेड को आसान बनाना, इंफ्रास्ट्रक्चर का डेवलपमेंट और सेल्फ़-एम्प्लॉयमेंट को बढ़ावा देने के फ़ैसले लोकल व्यापारियों के लिए पॉज़िटिव होंगे। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ़ ट्रेड बढ़ेगा, बल्कि रोज़गार के नए मौके भी बनेंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में MLA कुमार ऐलानी, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राजेश BJP वधरिया, डिप्टी मेयर अमर लुंड, अमित वाधवा, हरेश भाटिया, नवीन दुसेजा और BJP के कई दूसरे पदाधिकारी मौजूद थे।

यह भी कहा गया कि केंद्र सरकार की पॉलिसी से लोकल प्रोडक्ट्स को मार्केट मिलेगा और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान होगा। कुल मिलाकर, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकमत से यह बात कही गई कि यह बजट उल्हासनगर की हर तरफ से कमर्शियल और इंडस्ट्रियल तरक्की के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

लॉज में आत्महत्या

कल्याण. शुक्रवार सुबह डोंबिवली वेस्ट में स्टेशन के पास एक लॉज में 42 साल के एक आदमी ने बेडशीट से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में आत्महत्या का केस दर्ज किया गया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आत्महत्या करने वाले आदमी का नाम योगेश राघो कदम (42) है, और योगेश गुरुवार (5) को डोंबिवली वेस्ट के एक लॉज में रहने आया था, और अगले दिन, शुक्रवार (6) सुबह लॉज के एक कर्मचारी को योगेश की लाश मिली। पुलिस घटना की आगे की जांच कर रही है।

कलेक्टर ने बदलापुर के STP प्लांट का इंस्पेक्शन किया

बदलापुरः सीवेज की समस्या को लेकर कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल पर हाई कोर्ट की सख्ती के बाद, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकांत पांचाल ने कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल के STP प्लांट का दौरा किया और उसका इंस्पेक्शन किया। उन्होंने म्युनिसिपल काउंसिल को सीवेज प्लानिंग के बारे में सही कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

मुंबई हाई कोर्ट ने कुछ निर्देश दिए थे। STP प्लांट की कैपेसिटी क्या है, और शहर से बिना किसी ट्रीटमेंट के नदी या नालों में बहने वाले सीवेज के बारे में पूछा था। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने इस बारे में एक कमेटी बनाई है और सुझाव दिया है कि इसमें क्या कदम उठाए जा सकते हैं। कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने बदलापुर में 3 STP प्लांट का इंस्पेक्शन किया। 12 MLD कैपेसिटी वाला एक STP प्लांट जल्द ही चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच चल रही है कि नाले में घुसने वाला पानी पूरी तरह से STP प्लांट तक पहुंचता है या नहीं। म्युनिसिपल काउंसिल कुछ जगहों पर पंपिंग करके पानी को STP में डायवर्ट करने की प्लानिंग कर रही है। इसी तरह, टर्शियरी ट्रीटमेंट के बाद पानी की खपत बहुत बढ़ सकती है। MIDC को वह पानी देने से म्युनिसिपल काउंसिल को भी इनकम हो सकती है। म्युनिसिपल काउंसिल के पास टर्शियरी ट्रीटमेंट को लेकर कुछ प्लान हैं। इसके लिए वर्ल्ड बैंक से फंड मिल सकता है या नहीं, इसकी कोशिश चल रही है। इसी के तहत मेयर, डिप्टी मेयर और कुछ कॉर्पोरेटर उनसे मिले हैं और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्रीकांत पांचाल ने साफ किया है कि डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर वे भी इसके लिए कोशिश करेंगे।

पानी की पाइप फटने से पानी की बर्बादी

■ उल्हासनगर कैंप-4 में पानी की कमी

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप-4 में पानी की कमी और कैलास कॉलोनी में पानी की पाइप फटने की घटना के खिलाफ लोगों का गुस्सा नागरिकों के सब्र का बांध तोड़ रहा है और मनपा के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पिछले पांच दिनों से उल्हासनगर कैंप नंबर 4 के वार्ड नंबर 14 के इलाके में पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद होने से नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी ठप हो गई है। नागरिकों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है, वहीं आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी प्रशासन की तरफ से कोई ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। पानी की इस कमी को लेकर 68 साल के सीनियर सिटिज़न राजाराम शंकर पवार सीधे आधे नंगे होकर वाटर सप्लाई ऑफिस पहुंच गए और आधे नंगे होकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपना दुख जाहिर करते हुए कहा, 'लगातार तीन दिन, शनिवार, रविवार और सोमवार को वाटर सप्लाई ऑफिस जाने के बाद भी मुझे सिर्फ वादे ही मिले।' उनके इस विरोध से इलाके में हलचल मच गई और प्रशासन की बेपरवाही का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया।

जब इस विरोध की चर्चा चल ही रही थी, बुधवार रात को उल्हासनगर के कैलाश कॉलोनी इलाके में सड़क की खुदाई के दौरान पानी की मेन पाइप फट गई। अचानक हुए इस हादसे में लाखों लीटर पानी सचमुच सड़क पर बह गया। कुछ ही देर में इलाके में भारी मात्रा में पानी जमा हो गया और ट्रैफिक में रुकावट आई।

पानी की मेन पाइप फटने की वजह से एहतियात के तौर पर संबंधित इलाके में पानी की सप्लाई तुरंत रोक दी गई। नतीजतन, पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहे नागरिकों की परेशानी और बढ़ गई। जहां एक तरफ पानी के लिए विरोध करने की ज़रूरत है, वहीं दूसरी तरफ पानी की इस तरह बर्बादी से नागरिकों में ज़बरदस्त गुस्सा है।

रिक्शा की टक्कर से युवती घायल

कल्याण. चिंचपाड़ा इलाके की रहने वाली जान्हवी सौरे (उम्र 23) रिक्शा की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनकी शिकायत के आधार पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने एक अनजान रिक्शा ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है। जब जान्हवी अपने परिवार के साथ कल्याण रेलवे स्टेशन से रिक्शा में घर जा रही थीं, तो दूसरे रिक्शा ड्राइवर ने उस रिक्शा को टक्कर मार दी जिसमें जान्हवी बैठी थीं।

अंबरनाथ न्यायालय वकील संघटना का प्रथम चुनाव संपन्न

■ 1089 वकीलों में से 790 वकीलों ने मतदान किया

■ 72% मतदान

■ आज होगी नतीजों की घोषणा

अंबरनाथ. अंबरनाथ न्यायालय वकील संघटना चिखलोली का चुनाव शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुआ. कुल वकील वोटर 1089 हैं, जिसमें से 790 वकीलों ने मतदान किया है. 72% मतदान हुआ है. रविवार की सुबह 10 बजे से मतगणना शुरू होगी. एक घंटे के भीतर नतीजे आने की संभावना है. अंबरनाथ न्यायालय के वकीलों का ये पहला चुनाव हुआ है. चुनाव निर्णय अधिकारी का कार्य एड. सतीश अत्रे देख रहे हैं. अंबरनाथ चिखलोली में न्यायालय का निर्माण हुए एक वर्ष हो चुके हैं. पूर्व में अंबरनाथ. बदलापुर के केसेस का कामकाज उल्हासनगर में चलता था. अंबरनाथ में चिखलोली में न्यायालय का निर्माण हुए एक वर्ष हो चुका है. पूर्व में अंबरनाथ, बदलापुर के केसेस का कामकाज उल्हासनगर में चलता था. अंबरनाथ में न्यायालय की शुरूआत होने के बाद वकील संघटना का चुनाव होना जरूरी हो गया था, जो शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुआ है. अध्यक्ष पद के लिए 4 वकील, एड. प्रियेश जाधव, एड. प्रसाद शेलके, एड. मल्लेश चलवादी और एड. तेजु राठोड़ मैदान में है. उपाध्यक्ष के लिए तीन वकील चुनाव मैदान में हैं, जिसमें से एक को चुनना था. सचिव के लिए दो में से एक, सहसचिव के लिए तीन वकीलों में से एक, खजिनदार तीन वकील उम्मीदवार मैदान में है, जिसमें से एक को चुनना है. इसी तरह सह खजिनदार, लाइब्रेरियन और 10 वकील उम्मीदवार कमेटी मेंबर में से 5 वकील चुने जाएंगे. ये संघटना वकीलों की समस्या को लेकर 2026 से 2028 तक कार्यरत रहेगी. मतदान के लिए शनिवार को न्यायालय में वकीलों का भारी जमावड़ा देखा गया. अब वकीलों की नजर चुनाव नतीजे पर टिकी हुई है.

वरिष्ठ पत्रकार मालवणकर पर कायरतापूर्ण हमला

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 4 के पूर्व कॉर्पोरेटर, सीनियर पत्रकार और लेखक दिलीप मालवणकर पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया।

बाइक पर सवार तीन लोगों ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मारकर गिरा दिया और बुरी तरह पीटा। हमले में उनके बाएं कंधे की हड्डी टूट गई और उनका अभी सेंट्रल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मालवणकर ने आरोप लगाया है कि हमला राजनीतिक विवाद के कारण हुआ। घटना का CCTV फुटेज पुलिस को मिल गया है और हमलावरों की तलाश जारी है। शहर के पत्रकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और आरोपियों और मास्टरमाइंड को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है।

मालवणकर एक बेबाक और मज़बूत विचारों वाले व्यक्ति हैं, इसलिए उन्होंने हमेशा नगर निगम में भ्रष्टाचार और राजनीति में बगावत पर कड़े शब्दों में बात की है। नागरिक कह रहे हैं कि ऐसा हमला शायद इसलिए हुआ होगा क्योंकि उन्होंने कई लोगों की नाराज़गी मोल ली है। हालांकि, जागरूक नागरिक यह भी कह रहे हैं कि अगर गलत कामों का विरोध करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं पर ऐसा हमला हो रहा है, तो यह लोकतंत्र पर हमला है।

रिक्शा पलटा, महिला की मौत, एक यात्री घायल

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली में बेलगाम, लापरवाह रिक्शा ड्राइवरों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। रिक्शा की टक्कर और एक्सीडेंट में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी घटना में, रिक्शा ड्राइवर की अनुशासनहीनता के कारण एक महिला यात्री की जान चली गई।

जय प्रकाश यादव द्वारा मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में रिक्शा ड्राइवर प्रभाना जिरोल (उम्र 42) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। 3 फरवरी को रात करीब 11 बजे, जब प्रभाना कल्याण-शिलफाटा इलाके में सड़क पर यात्रियों को ले जा रहा था, तो उसने रिक्शा पर से कंट्रोल खो दिया और रिक्शा तेज गति से पलट गया और सड़क किनारे जा लगा। इसमें रिक्शा सवार आशीष चव्हाण गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि शिकायतकर्ता की बहन मीनल के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पतंग की एक डोर और मौत का खतरा

किसी खास किस्म के मांझे से दूसरों की पतंग काटने की लोगों के भीतर कैसी भूख है कि यह राह चलते निर्दोष लोगों और मासूम पक्षियों के लिए जानलेवा बन जाती है। यह जानते-समझते हुए भी लोग खतरनाक मांझे से पतंग उड़ाते हैं, जिनसे उलझ कर हर साल कई लोग जख्मी हो जाते हैं। इससे कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

अब ऐसे हादसों को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने ठोस कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे से होने वाली मौत को हत्या की श्रेणी में रखते हुए दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, एक दिन पहले ही लखनऊ में मांझे वाले धागे से गला कटने की वजह से एक युवक की मौत हो गई थी।

राज्य सरकार अब विशेष अभियान चला कर चीनी मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई करेगी। सवाल है कि तमाम पाबंदियों के बावजूद ये धागे उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में चोरी-छिपे या खुलेआम कैसे बिक रहे हैं। ये कहां से आते हैं और इनके स्रोत क्या हैं? यह किसकी लापरवाही का नतीजा है और इसे रोकने में संबंधित एजंसियां अब तक नाकाम क्यों रही हैं?

यह दुखद है कि जन सरोकार के इतने बड़े मसले की हर स्तर पर उपेक्षा होती रही है। समय-समय पर चीनी मांझे पर प्रतिबंध लगाने की बातें की गईं, लेकिन वे कारगर साबित नहीं हुईं। प्रश्न यह है कि इन धागों को बेचने की छूट कौन देता है?

गौरतलब है कि इसे खरीदने और बेचने पर पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम की धारा पंद्रह के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। मगर इनका सख्ती से अनुपालन नहीं किया जाता। चीनी मांझे पर कई राज्यों में रोक है। दिल्ली में भी पाबंदी है, लेकिन यहां भी ये बेरोकटोक बिकते हैं।

साफ है कि चीनी मांझे के बाजार में पहुंचने से लेकर बिकने तक, कहीं भी नियमों का पालन नहीं हो रहा। खतरनाक मांझे के साथ पतंग उड़ाने का ऐसा क्या जुनून है लोगों में कि जोखिम की आशंका के बावजूद वे न सजा से डरते हैं, न जुर्माने से। इस तरह के जानलेवा धागे से पतंग उड़ाने की जिद को किस तरह देखा जाएगा?

विचार : जवाबदेही के दायरे में आएं टेक कंपनियां

सुबह की पहली किरण के साथ जब हम अपने स्मार्टफोन का स्क्रीन अनलॉक करते हैं, तो हम केवल एक उपकरण नहीं खोलते, बल्कि एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करते हैं, जो कभी सोती नहीं है। यह डिजिटल दुनिया जितनी चमकदार है, उतनी ही बेरहम भी। आज हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल मीडिया के गलियारों में बीत रहा है।

हमारी पहचान, रिश्ते और समाज में प्रतिष्ठा अब हमारे पदचिह्नों यानी डिजिटल फुटप्रिंट्स से तय होती है, पर समस्या तब शुरू होती है जब ये पदचिह्न हमारी वर्तमान पहचान के लिए बोझ बन जाते हैं। कल्पना कीजिए एक ऐसे युवक की, जिस पर दस साल पहले एक छोटा आरोप लगा था। अदालत ने उसे ससम्मान बरी कर दिया, लेकिन आज जब कोई कंपनी उसे नौकरी देने के लिए उसका नाम गूगल करती है, तो सबसे ऊपर वही पुरानी गिरफ्तारी की खबर चमकती है। यही वह बिंदु है जहां राइट टू बी फॉरगाटेन यानी भुला दिए जाने का अधिकार विलासिता नहीं, बल्कि जीने के अधिकार का हिस्सा बन जाता है।

डिजिटल मीडिया का दुरुपयोग आज एक महामारी की तरह फैल चुका है। फेक न्यूज, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग ने वर्चुअल स्पेस को एक युद्ध का मैदान बना दिया है। सबसे भयावह रूप तब सामने आता है, जब किसी की निजी जानकारी या तस्वीरें उसकी मर्जी के बिना सार्वजनिक कर दी जाती हैं। इसे डॉक्सिंग कहा जाता है। यह केवल तकनीक का गलत इस्तेमाल नहीं है, बल्कि यह एक इंसान की

गरिमा पर सीधा हमला है। जब कोई अपमानजनक सामग्री एक बार वायरल हो जाती है, तो उसे पूरी तरह मिटाना लगभग असंभव हो जाता है। डिजिटल दुनिया में कुछ भी स्थायी रूप से मरता नहीं है, वह बस दबा रहता है और समय-समय पर बाहर आता रहता है।

यहीं पर राइट टू बी फॉरगाटेन की अवधारणा उम्मीद की किरण है। व्यक्ति को यह अधिकार होना चाहिए कि वह अपने पुराने, अप्रासंगिक या गलत डिजिटल रिकॉर्ड्स को हटवा सके। यूरोपीय संघ का एक कानून इस मामले में एक मिसाल है। वहां के एक चर्चित मामले में यह तय हुआ कि अगर कोई जानकारी अब जरूरी नहीं है, तो उसे सर्च रिजल्ट्स से हटाना होगा। भारत में भी इस अधिकार की सुगबुगाहट तेज हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने पुट्टास्वामी केस में निजता को मौलिक अधिकार तो माना, लेकिन राइट टू बी फॉरगाटेन अभी भी एक कानूनी धुंध में फंसा हुआ है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल में माना कि एक व्यक्ति को अपनी पुरानी गलतियों या विवादों से आगे बढ़ने का हक है। क्या हमारे पास इसके लिए कोई ठोस कानून है?

भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 इस दिशा में एक कदम जरूर है। यह डाटा मिटाने का अधिकार देता है, लेकिन इसमें कई पेच हैं। जब कोई व्यक्ति अपना डाटा हटवाने की मांग करता है, तो उसके सामने अभिव्यक्ति की आजादी और न्यायिक पारदर्शिता की दीवार खड़ी हो जाती है। मिसाल के तौर पर, क्या एक भ्रष्ट नेता यह कह सकता है कि लोग उसके पुराने घोटाले भूल जाएं, क्योंकि अब वह सुधर गया है? निश्चित रूप से नहीं। जनता को जानने का अधिकार और सार्वजनिक हित हमेशा निजी निजता से ऊपर रहेगा, लेकिन एक सामान्य नागरिक, जो किसी झूठे मुकदमे या निजी विवाद का शिकार हुआ है, उसे अदालतों के चक्कर क्यों काटने पड़ें? हमारे वर्तमान कानून में एक ऐसी स्पष्ट प्रक्रिया की कमी है, जो टेक कंपनियों को जवाबदेह ठहरा सके।

इस जटिल समीकरण में अब एआई ने प्रवेश किया है। एआई के दुरुपयोग का सबसे वीभत्स रूप डीपफेक है। आज किसी भी आम इंसान का चेहरा किसी अश्लील वीडियो या भड़काऊ भाषण के साथ जोड़ना बच्चों का खेल बन गया है। एआई एल्गोरिदम आज इतने शक्तिशाली हैं कि वे आपकी पसंद-नापसंद को भांप लेते हैं और आपको उसी दिशा में ले जाते हैं, जो वे चाहते हैं। नफरत भरे कंटेंट पर इंगेजमेंट ज्यादा आती है, इसलिए एल्गोरिदम उसे बढ़ावा देते हैं। यह एआई का वह चेहरा है, जो समाज को बांट रहा है। इसी एआई में समाधान भी छिपा है।

हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में यह चुनाव करना है कि हम अपनी समस्याओं की ओर ध्यान देंगे या प्रभु की ओर।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हंगामे के बीच संसद में बदली वैश्विक तस्वीर

बजट सत्र के सातवें दिन संसद में जिस तरह की स्थितियां पैदा हुईं, वे निश्चित रूप से लोकतांत्रिक परंपराओं में संवाद के समांतर एक बार फिर मतभेदों के तीखे होने को ही दर्शाता है। मौजूदा सत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही बाधित होती रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन शोर-शराबे और हंगामे की वजह से सदन को स्थगित कर दिया गया था।

विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा। जाहिर है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जहां समग्र चर्चा होनी चाहिए थी, वहां सदन हंगामे की वजह से बाधित हुआ। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सरकार के फैसलों और नीतियों को स्पष्ट करते हुए राज्यसभा में अपनी राय रखी।

पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में तेजी से नीतिगत स्तर पर भी

बदलाव होते देखे जा रहे हैं और नई व्यवस्था की जमीन बनती दिख रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में स्थितियां संभाली नहीं जा पा रही हैं, तो ऐसे में स्पष्ट दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब बदल रही है और अगर इसे तटस्थ भाव से देखा जाए, तो साफ लग रहा है कि झुकाव भारत की ओर है। दरअसल, हाल के वर्षों में विकसित देशों के कूटनीतिक टकरावों और उससे उपजे हालात के बीच वैश्विक दक्षिण के रूप में देखे जाने वाले देशों की समस्याओं पर आवाज उठने की प्रक्रिया जिस तरह धीमी पड़ रही थी, उसमें भारत को एक उम्मीद की नजर देखा जा रहा था।

इसी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में वैश्विक दक्षिण को लेकर होने वाली चर्चा के सूत्रधार के साथ-साथ भारत को वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज के रूप में देखा जाता है।

भारत के कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते नीतिगत स्तर पर आने वाले समय में काफी अहम साबित होने वाले हैं और उसके परिणामों को लेकर अभी से उत्सुकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपनी पहल से समझौता करता है, तो यह अर्थजगत के लिए एक बड़ा संदेश है। इनमें 'सभी समझौतों की जननी' माने जाने वाले यूरोपीय संघ के सत्ताईस देशों के साथ एकमुश्त समझौता हुआ है। इसी को अहम मानते हुए प्रधानमंत्री ने एक नई वैश्विक व्यवस्था और उसमें भारत की खास जगह बनने का संकेत दिया।

इसके अलावा, दुनिया के कई समृद्ध देशों में बढ़ती बुजुर्ग आबादी गंभीर चिंता का एक कारण बन रही है। ऐसे में भारत अपनी युवा आबादी के बूते बेहतर भविष्य की उम्मीद कर रहा है। प्रधानमंत्री ने भी इसे दर्ज किया कि विश्व का भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है और हमारे पास युवा प्रतिभाएं हैं, जिनके पास संकल्प, सपने और सामर्थ्य हैं।

सूअर उड़ाने की कोशिश पड़ी भारी, बिजली के तार में फंसा ड्रोन

सोचिए, अगर कोई सच में सुअर को हवा में उड़ाने की कोशिश कर दे तो? सुनने में ही अजीब लगता है ना! मगर चीन में एक किसान ने ऐसा ही

जरा हट के

अजीब और खतरनाक प्रयोग कर डाला. अपने गांव की मुश्किल भरी पहाड़ी राहों से परेशान होकर उसने सूअर को ड्रोन के जरिए उड़ा कर रास्ता पार करने का जुगाड़ बनाय. शुरुआत में यह आइडिया उसे आसान और तेज लगा, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह जुगाड़ भारी मुसीबत में बदल गया. ड्रोन हाई-वोल्टेज तारों में उलझ गया, सूअर हवा में लटक गया और पूरे गांव की बिजली घंटों तक गुल हो गई. यह घटना अब सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इसे देख हैरान के साथ- साथ हंस भी रहे हैं.

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यह घटना 24 जनवरी को चीन के सिचुआन प्रांत के टोंगजियांग काउंटी में हुई. किसान का गांव पहाड़ों के

बीच बसा है, जहां गाड़ियों से जानवरों को ले जाना बेहद मुश्किल होता है ऐसे में उसने सूअरों को बूचड़खाने तक जल्दी पहुंचाने के लिए नया तरीका अपनाने की सोची. किसान ने सोचा कि ड्रोन की मदद से सूअर को रस्सी से बांधकर हवा में लटका कर ले जाया जा सकता है. उसे लगा कि इससे समय भी बचेगा और मेहनत भी कम होगी.सुबह का समय था और रोशनी कम थी. जैसे ही ड्रोन ने पहले सूअर को उठाया, उसकी रस्सी पास की हाई-वोल्टेज बिजली लाइन में जाकर फंस गई.

कुछ ही सेकंड में ड्रोन बंद हो गया और सूअर हवा में ही फंस गया. यह नजारा देखकर गांव वाले हैरान रह गए. तारों में फंसने की वजह से बिजली लाइन खराब हो गई और पूरे गांव की बिजली गुल हो गई. करीब 10 घंटे तक लोग बिना बिजली के रहे. SCMP के अनुसार, इस हादसे के बाद स्थानीय बिजली विभाग को बुलाया गया. 12 कर्मचारियों की टीम ने घंटों मेहनत कर लाइन को ठीक किया. मरम्मत में लगभग 10,000 युआन (करीब 1.8 लाख रुपये) का खर्च आया.

रेड सॉस पास्ता

सामग्री

- पास्ता- 2 कप पास्ता, पानी और एक चम्मच नमक
- सॉस के लिए- 4-5 पके हुए लाल टमाटर, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा लहसुन, 1 मध्यम प्याज (बारीक कटा हुआ)
- मसाले- 1 छोटा चम्मच चिल्ली फ्लेक्स, 1 छोटा चम्मच ऑरेगैनो या इटालियन हर्ब्स, आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक
- अन्य- 2 बड़े चम्मच ऑलिव ऑयल, 1 छोटा चम्मच मक्खन, 2 चम्मच टोमेटो केचप और ढेर सारा मोजरेला चीज

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में 4-5 कप पानी उबालें। जब पानी उबलने लगे, तो उसमें नमक और पास्ता डालें। पास्ता को पूरा न पकाकर, 80-90% तक ही पकाएं। जब पास्ता पक जाए, तो इसका एक कप पानी अलग निकाल लें और बाकी पानी छानकर पास्ता पर थोड़ा ठंडा पानी डाल दें, ताकि वह आपस में चिपके नहीं।

बाजार के सॉस के बजाय ताजे टमाटर का सॉस सबसे बेहतर होता

है। इसके लिए टमाटरों के ऊपर छोटा कट लगाएं और उन्हें 5 मिनट के लिए उबलते पानी में डाल दें। फिर छिलका उतारकर उन्हें पीस लें और एक स्मूथ प्यूरी बना लें।

अब एक पैन में तेल और मक्खन गरम करें। इसमें बारीक कटा लहसुन डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब प्याज डालें और नरम होने तक पकाएं। तैयार टमाटर की प्यूरी डालें और इसे तब तक पकाएं जब तक कि तेल अलग न होने लगे।

इसके बाद जब सॉस गाढ़ा हो जाए, तो इसमें नमक, काली मिर्च, चिल्ली फ्लेक्स और ऑरेगैनो मिलाएं। स्वाद में थोड़े मीठे और खट्टे का बैलेंस देने के लिए टोमेटो केचप डालें। अब इसमें उबला हुआ पास्ता और बचाया हुआ पास्ता पानी डालें।

इसके बाद पास्ता को सॉस के साथ 2 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। ऊपर से कद्दूकस किया हुआ चीज डालें और ढक्कन लगाकर 1 मिनट के लिए छोड़ दें, ताकि सारा चीज पिघल जाए।

दांत दर्द का मतलब हमेशा कैविटी नहीं होता!

इसके पीछे छिपे हो सकते हैं ये कारण

दांत में दर्द होते ही सबसे पहले हम डेंटिस्ट के पास जाते हैं और ज्यादातर मामलों में दांतों में कैविटी, इंफेक्शन या मसूड़ों की समस्या सामने आती है। लेकिन जब डेंटिस्ट कहे कि आपके दांत तो बिलकुल सही हैं तो फिर दांत दर्द की वजह क्या है? ऐसे में चिंता और हैरानी दोनों एक साथ हो सकती है।

जी हां, कई बार दांतों में होने वाला दर्द सिर्फ दांत से ही जुड़ा हो जरूरी नहीं। यह नर्व, साइनस या फिर जबड़ों से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। यदि इस फर्क को समझ लिया जाए तो सही एक्सपर्ट के पास जाने में मदद मिल सकती है। आइए, दर्द के इस फर्क को समझते हैं।

दांत का दर्द होता है ऐसा

दांत का दर्द आमतौर पर आता-जाता रहता है। अगर दांत का दर्द दांत की वजह से है तो कुछ ठंडा या गर्म खाने, कुछ चबाने पर

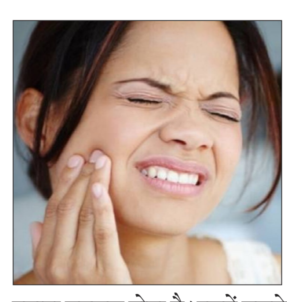

ज्यादा महसूस होता है। इसमें मसूड़े पर सूजन और रेडनेस नजर आती है। दांतों में सड़न या क्रैक होने की स्थिति में भी दांत में दर्द होता है। डेंटिस्ट को दिखाने के बाद ये समस्याएं दूर भी हो जाती हैं।

इन वजहों से हो सकता है दांत का दर्द

नर्व्स: ट्राईजेमिनल न्यूराल्जिया नर्व्स से जुड़ी समस्या होती है जो कई बार दांत में दर्द का कारण बन सकती है। इसमें अचानक ही तेज दर्द होना शुरू हो जाता है।

साइनस और नाक: ऊपर के दांतों के रूट्स साइनस कैविटी के बेहद करीब होते हैं। साइनस इन्फेक्शन या क्रॉनिक साइनोसाइटिस में दांतों में दर्द महसूस हो सकता है।

जबड़े और जॉइंट्स: टीएमजे डिसऑर्डर में दर्द दांतों तक पहुंच जाता है। यह एक ऐसा जॉइंट है जोकि आपके जबड़े के निचले हिस्से को खोपड़ी से जोड़ता है। इसकी वजह से ही हम अपने मुंह को हिला पाते हैं। दांत पीसने, जबड़ों को हिलाने-डुलाने या दबाव से टीएमजे डिसऑर्डर में तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है।

दांत दर्द की ये भी हो सकती हैं वजहें

- कान में इन्फेक्शन
- क्लस्टर हेडएक
- हार्ट से संबंधित बीमारियां
- ऐसे में दिखाएं डॉक्टर को
- डेंटिस्ट से इलाज करवाने के बाद भी दर्द न जाए
- मसूड़ों में जलन या दबाव महसूस हो
- चेहरे के बाकी हिस्सों तक दर्द पहुंच गया हो
- छूने, बोलने या दांत ब्रश करने जैसी एक्टिविटी से भी दर्द हो रहा हो
- सिरदर्द बना रहे
- अचानक दर्द शुरू हो जाए
- दर्द की तीव्रता बढ़ती जाए

फ्रिज में रखने के बाद भी फट जाता है दूध?

ये देसी हैक जान लिया तो कई दिन तक रहेगा ताजा!

दूध को जल्दी खराब होने से बचाने का सबसे जरूरी तरीका है सही तापमान पर स्टोर करना. कई लोग दूध को फ्रिज के दरवाजे में रख देते हैं, लेकिन यह सबसे बड़ी गलती होती है. फ्रिज के दरवाजे का

तापमान बार-बार खुलने और बंद होने से बदलता रहता है. दूध को हमेशा फ्रिज के अंदर वाले हिस्से में रखना चाहिए, जहां तापमान स्थिर रहता है. इससे दूध ज्यादा समय तक सुरक्षित रहता है.

दूध को उबालने का तरीका भी उसकी ताजगी को प्रभावित करता है. दूध को खरीदकर तुरंत अच्छी तरह उबाल लेना चाहिए. दूध उबालते समय उसे धीमी आंच पर 5 से 7 मिनट तक पकाना फायदेमंद होता है. इससे दूध में मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं और दूध ज्यादा समय तक खराब नहीं होता. उबालने के बाद दूध को खुला छोड़ने के बजाय तुरंत ढककर ठंडा करना चाहिए.

दूध को बार-बार गर्म करना भी उसे जल्दी खराब कर सकता है. कई घरों में जरूरत पड़ने पर बार-बार दूध गर्म किया जाता है. इससे दूध में बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं और उसका स्वाद भी खराब हो सकता है. कोशिश करें कि जितना दूध इस्तेमाल करना हो उतना ही अलग निकालें और बाकी दूध को ठंडा ही रहने दें. यह तरीका दूध की क्वालिटी बनाए रखने में मदद करता है.

एक आसान देसी हैक यह है कि दूध उबालते समय उसमें एक चुटकी बेकिंग सोडा या एक छोटा चम्मच चीनी डाल सकते हैं. यह तरीका दूध को जल्दी खराब होने से बचाने में मदद करता है. हालांकि इसकी मात्रा बहुत कम रखनी चाहिए. ज्यादा मात्रा डालने से दूध का स्वाद बदल सकता है. यह तरीका खासकर गर्मियों में काफी असरदार माना जाता है.

आज का राशिफल

मेष : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

मिथुन : पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

कर्क : यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या : रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ होंगे।

तुला : ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। नई कार्ययोजना के योग प्रबल हैं।

वृश्चिक : लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

धनु : राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

मकर : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुंभ : पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन : बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बच्चों के लिए जहर बन रहे हैं ऑनलाइन गेम्स?

एक्सपर्ट ने बताए 5 लक्षण, जिन्हें इग्नोर करना पड़ेगा भारी

हाल ही में गाजियाबाद से एक दुखद खबर सामने आई। यहां ऑनलाइन गेमिंग की लत के चलते तीन नाबालिग बहनों से एक साथ सुसाइड कर लिया। इस घटना के सामने आने के बाद से ही एक बार फिर इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के दिमाग पर कितना गहरा असर डाल रही है।

एक समय था जब इस तरह के खेल और गेम्स को टाइमपास का जरिया माना जाता था, लेकिन अब यह बच्चों के लिए जानलेवा लत भी बन सकता है। इस मामले को विस्तार से जानने के लिए हमने नई

दिल्ली की सीनियर साइकोलॉजिस्ट, मोनिका शर्मा से बात की। आइए जानते हैं क्या है इस पूरे मामले में एक्सपर्ट की राय-

क्या है एक्सपर्ट की राय?

एक्सपर्ट के अनुसार, बहुत ज्यादा गेम खेलने से बच्चों की मेंटल हेल्थ बिगड़ सकती है। इससे उनके स्वाभाव में बदलाव हो सकता है, नींद की समस्या हो सकती है और तनाव भी हो सकता है। इसके अलावा बच्चे असली दुनिया से दूरी बनाने लगते हैं और धीरे-धीरे बच्चे का मन पढ़ाई, दोस्तों और परिवार से हट जाता है। इतना ही नहीं यह बच्चे के मन पर इतना गहरा असर करता है कि वह हार या नाकामी को बर्दाश्त नहीं कर पाते।

बच्चों को क्यों लगती है ऑनलाइन गेम्स की लत?

कोरोना महामारी के बाद से ही मोबाइल का इस्तेमाल काफी ज्यादा बढ़ चुका है। खासकर अब बच्चे की डिजिटल वर्ल्ड का इस्तेमाल तेजी से करने लगे हैं। ऐसे में ऑनलाइन गेम्स में कई ऐसे एलिमेंट्स होते हैं, तो बच्चों को अपनी तरफ खींचते हैं। छोटी उम्र होने की वजह से उनका समझ कच्ची होती है, इसलिए वे आसानी से इसके जाल में फंस जाते हैं।

माता-पिता क्या करें?

एक्सपर्ट की मानें तो इस लत को दूर करने के लिए बच्चों पर सख्ती दिखाना सही नहीं होगा। ऐसा करने के बच्चे बागी हो सकते हैं या गलत कदम उठा सकते हैं, इसलिए बच्चों पर रोक लगाने के बजाय, उन्हें प्यार से समझाएं और धीरे-धीरे टाइम लिमिट सेट करें। बच्चों को आउटडोर गेम्स और एक्सरसाइज के लिए मोटिवेट करें। अगर आपको लगता है कि बच्चा डिप्रेशन में जा रहा है या उसका व्यवहार बहुत बदल गया है, तो तुरंत किसी मनोवैज्ञानिक (Psychologist) से सलाह लें।

बच्चों में गेम्स की लत के संकेत

- **व्यवहार :** गेम खेलने से रोकने पर बहुत ज्यादा गुस्सा करना या आक्रामक हो जाना
- **सेहत :** नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, वजन बढ़ना और खाने की आदत में बदलाव
- **पढ़ाई :** स्कूल के रिजल्ट में लगातार गिरावट और होमवर्क न करना
- **दूसरों से दूरी :** दोस्तों से मिलना-जुलना बंद कर देना और कमरे में बंद रहना
- **इमोशनल होना :** बात-बात पर रोना, खुद को बेकार समझना या जीवन खत्म करने जैसी बातें करना

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

इंस्पेक्टर, 2 दरोगा और 5 सिपाही समेत पूरी टीम पर एसपी का एक्शन, जानिए मामला

बहराइच. बहराइच जिले में एसपी रामनयन सिंह ने तगड़ा एक्शन लिया है। बहराइच एसपी रामनयन सिंह ने शुक्रवार रात पयागपुर थाने की स्वाट की पूरी टीम भंग कर दी। इसमें शामिल इंस्पेक्टर, दो दरोगा, एक हेड कांस्टेबल और पांच सिपाही को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। सपा नेता के पिता समेत दो हत्याकांड का खुलासा नहीं होने, ई रिक्शा से 20 लाख के जेवरात की टप्पेबाजी समेत अन्य गम्भीर मामलों का खुलासा नहीं होने पर एसपी ने कार्रवाई की है। एसपी राम नयन सिंह के इस सख्त रूख से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई की जद में आने वाले स्वाट प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह यादव, दरोगा सर्वजीत गुप्ता, राशिद अली खान, हेड कांस्टेबल अजीत चंद्र सिंह, सिपाही राहुल वाजपेयी, अमित कुमार यादव, अंकुर यादव, विष्णु प्रताप सिंह, संतोष कुमार यादव, बजरंगी राय शामिल हैं।

मुर्दा हुआ जिंदा! 13 साल बाद स्कूटी चलाता दिखा; अब फिर चलेगा ताराचंद्र पर केस

आगरा. ताजनगरी आगरा में जालसाजी का बड़ा मामला सामने आया है। जब 13 साल पहले मृत घोषित शख्स सड़क पर स्कूटी चलाता दिखा। कोर्ट में चल रहे धोखाधड़ी के केस में कुर्की पूर्व नोटिस जारी होने पर आरोपी को मृत दिखा दिया था। कोर्ट ने मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर मामला निरस्त कर दिया। लेकिन 13 साल बाद खुद को मृत दर्शाने वाला स्कूटी चलाते सड़क पर मिल गया। वादी पक्ष ने फोटो खींच लिया। और कार्रवाई के लिए एक बार फिर कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया है।

आरोप लगाया है कि मृत्यु प्रमाण पत्र फर्जी था। गवाहों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। कोर्ट को गुमराह किया गया था। कोर्ट ने पुलिस को आदेशित किया है कि आरोपित को प्रस्तुत किया जाए।

नायब तहसीलदार का पेशकार रिश्वत लेते गिरफ्तार

बागपत. यूपी के बागपत में बड़ौत तहसील परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एंटी करप्शन टीम ने नायब तहसीलदार के निजी पेशकार को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। टीम ने उसके पास से किसान द्वारा दिये गए कैमिकल लगे दस हजार रुपये बरामद किए हैं। किसान से उसकी जमीन के दाखिल खारिज के नाम पर रिश्वत मांगी गई थी। जिवानी निवासी किसान सोनू सोलंकी ने पिछौकरा गांव में वर्ष 2022 में चार बीघा जमीन खरीदी थी, लेकिन उसका दाखिल-खारिज नहीं हो सका। इसके लिए वह काफी समय से चक्कर लगा रहा था।

आरोप है कि नायब तहसीलदार कोर्ट में अपने आपको निजी पेशकार बताने वाले प्रमोद को उसने चार हजार रुपये रिश्वत दिए थे, लेकिन इसके बाद भी उसकी जमीन का दाखिल-खारिज नहीं हुआ। दाखिल खारिज कराने के लिए वह फिर प्रमोद से मिला। इस बार प्रमोद ने उससे कहा कि दस हजार रुपये लेकर आओ। इसके बाद उसकी जमीन का दाखिल खारिज कर दिया जाएगा। पीड़ित किसान ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की।

PoK-अक्साई चिन को अमेरिका ने भारत का हिस्सा बताया

- ट्रेड डील के बाद इंडियन मैप शेयर किया
- PoK को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद

नई दिल्ली. भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इस घोषणा के साथ अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (USTR) ने इंडियन मैप शेयर किया।

इस मैप में पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है।

यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में PoK को अलग से दिखाता था। अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या 'डॉटेड लाइन्स' से दिखाया जाता है।

इस बार ट्रम्प प्रशासन ने जानबूझकर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच PoK विवाद जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। यह 1947 से चला आ रहा है और दोनों देशों के बीच युद्ध, तनाव और कूटनीतिक लड़ाई का कारण बना हुआ है।

कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा -शहबाज शरीफ

अमेरिका ने यह मैप शेयर कर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 5 फरवरी को बयान जारी कर कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज शरीफ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है।

सांसद पप्पू यादव न्यायिक हिरासत में भेजे गए

- जमानत पर पटना कोर्ट में सोमवार को सुनवाई

पूर्णिया. बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें फिलहाल पीएमसीएच अस्पताल में रखा जाएगा। अब सोमवार को उनकी जमानत पर सुनवाई होगी। पटना पुलिस ने उन्हें शनिवार दोपहर को कोर्ट में पेश किया था। उन्हें शुक्रवार आधी रात को पटना स्थित आवास से 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में भर्ती कराया गया था। फिर सुबह पीएमसीएच में पुलिस ने उनकी मेडिकल जांच कराई। वहां से एंबुलेंस से उन्हें पटना सिविल कोर्ट ले जाया गया था।

पटना के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कोर्ट परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी के दौरान आधी रात को उनके समर्थकों ने पुलिस का रास्ता रोका था। उस समय गहमागहमी हुई थी। इस मामले में अलग से केस दर्ज किया गया है। वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि यह मामला 31 साल पुराना है। पटना के गर्दनीबाग थाने में पप्पू यादव के खिलाफ 1995 में कुर्की का केस दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता विनोद बिहारी लाल ने आरोप लगाया था कि उनका मकान धोखाधड़ी के जरिए पप्पू यादव ने किराये पर लिया था।

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए

- मोदी बोले- एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

पीएम मोदी की चर्चा की बड़ी बातें-

विकसित भारत को अपना सपना बनाएं पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है।

खुद पर भरोसे से भगाएं कोई भी डर स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊं ?पीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है? नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है। आप भी अपने किए हुए पर भरोसा रखें तो प्रेजेंटेशन का डर भाग जाएगा।

देश की अमर कहानियों पर गेम बनाओ गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ। अभिमन्यु की कहानी पर गेम बनाओ और अपनी वेबसाइट बनाकर उसपर लॉन्च करो। धीरे-धीरे देखोगे कि कितने लोग तुम्हारे गेम्स खेल रहे हैं।

मार्क्स-मार्क्स की बीमारी से बचो एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये मार्क्स- मार्क्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या? ये उपलब्धि तो कुछ देर के लिए होती है। हमें ये देखना चाहिए कि पढ़ाई से हमारे जीवन पर क्या असर हुआ है। न कि ये कि हमारे मार्क्स कितने आए हैं।

स्किल या मार्क्स में से एक के पीछे न भागो एक स्टूडेंट ने पीएम से सवाल किया कि स्किल जरूरी है या मार्क्स? पीएम मोदी ने कहा कि इस सवाल का कोई सही जवाब नहीं है। अगर एक तरफ झुकोगे तो गिरोगे ही। जीवन में स्किल की जरूरत तो होगी ही और स्टूडेंट होने के नाते मार्क्स लाने भी जरूरी हैं।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 7 नक्सली ढेर

- गढ़चिरौली में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर
- नम आंखों से परिजनों ने दी अंमित विदाई

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर हुए हैं। इनमें 3 महिला नक्सली शामिल हैं। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के C-60 कमांडोज ने पहले 3 और फिर 4 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है।

दूसरा जवान घायल, स्थिति खतरे से बाहर

इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

7 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद

महाराष्ट्र पुलिस के अनुसार मुठभेड़ वाले इलाके से 7 माओवादियों के शव (4 पुरुष और 3 महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही AK-47 और एक SLR राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। इलाके में ऑपरेशन और तलाशी अभियान जारी है।

1 दिन पहले एनकाउंटर

एक दिन पहले 5 फरवरी को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सली कमांडर उधम सिंह का एनकाउंटर किया था। उधम सिंह 2021 में हुए टेकुलगुड़ेम एनकाउंटर में शामिल था। जहां नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे।

झूला गिरने से 13 लोग घायल, पुलिस इंस्पेक्टर की मौत

फरीदाबाद. हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित सूरजकुंड मेले में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। फरीदाबाद पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को करीब 6:15 बजे सूरजकुंड मेले में झूला गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई जबकि 13 अन्य घायल हो गए। कुछ लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि घटना की पूरी जांच की जाएगी। वहीं सीएम नायब सिंह सैनी ने हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम के वक्त सूरजकुंड मेले में लोग झूलों पर झूल रहे थे। इसी दौरान एक 'सुनामी' झूले में तकनीकी खराबी आ गई। इस खराबी के कारण झूले में बैठे दर्शकों को झटके लगने शुरू हो गए।

25% टैरिफ हटाने के फैसले पर ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

- भारत-US के बीच अंतरिम ट्रेड डील भी जारी

नई दिल्ली. भारत और अमेरिका के बीच पिछले एक साल से चले आ रहे व्यापारिक तनाव का शनिवार को औपचारिक अंत हो गया। वाइट हाउस द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों देशों ने एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति जताई है। यह समझौता न केवल टैरिफ युद्ध को समाप्त करेगा बल्कि द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में एक नए रणनीतिक युग की शुरुआत भी करेगा। इस समझौते की सबसे बड़ी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करना है, जिसके तहत रूसी तेल आयात के कारण भारत पर लगाया

गया 25% अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क तुरंत प्रभाव से हटा लिया गया है। समझौते के तहत, अमेरिका अब भारतीय मूल के उत्पादों पर सिर्फ 18% का टैरिफ लागाएगा। पिछले साल अगस्त में यह शुल्क बढ़कर 50% तक पहुंच गया था, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाजार से बाहर होने की कगार पर थे।

किन मुद्दों पर बनी अंतरिम सहमति

आपको बता दें कि कम मार्जिन वाले इस उद्योग को 18% टैरिफ से बड़ी राहत मिलेगी। वैश्विक बाजार में भारतीय जूतों और चमड़े के सामान की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। समझौते के पूर्ण कार्यान्वयन के बाद इन पर से शुल्क पूरी तरह हटा लिया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों को भी वापस लिया जाएगा।

इस राहत के बदले भारत ने भी कुछ कड़े और रणनीतिक फैसले लिए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद में भारी कटौती करने और अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अमेरिका और संभावित रूप से वेनेजुएला की ओर रुख करने का संकेत दिया है। इसके अतिरिक्त, ट्रंप का कहना है कि भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य के सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।

अजित पवार की मौत पर संदेह बरकरार, 10 तारीख को दूंगा प्रेजेंटेशन: रोहित पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) नेता रोहित पवार ने हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मृत्यु की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में विस्तार से बताएंगे। बारामती में जिला परिषद चुनाव में अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि अजित पवार ने एनसीपी गुटों के एकजुट होने की इच्छा जताई थी और विलय की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। पुणे जिले में 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास करते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। दिवंगत राकांपा प्रमुख के भतीजे रोहित पवार ने कहा, 'हर किसी के मन में (दुर्घटना के बारे में) सवाल और संदेह हैं। मैं 10 फरवरी को मुंबई में एक प्रेजेंटेशन दूंगा।

भारत छठी बार बना अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया। टीम ने शुक्रवार रात हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 100 रन से हरा दिया।

इंडिया ने 4 साल बाद यह टूर्नामेंट जीता है। टीम ने पिछला टाइटल 2022 में जीता था। 2024 के सीजन में भारतीय टीम को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने हराया था।

इस जीत के साथ भारत ने लगातार चौथा ICC टूर्नामेंट भी जीत लिया है। इंडिया ने पिछले साल विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

भारत ने सबसे ज्यादा 6 बार यह टूर्नामेंट जीता है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 4 बार (1988, 2002, 2010, 2024) खिताब अपने नाम किए हैं।

पाकिस्तान 2 बार (2004, 2006) चैंपियन बना है। इसके अलावा बांग्लादेश (2020), साउथ अफ्रीका (2014), इंग्लैंड (1998) और वेस्टइंडीज (2016) ने एक-एक बार यह टाइटल जीता है।

भारत को U-19 वर्ल्ड कप जिताने वाले के हीरो

वैभव सूर्यवंशी: फाइनल मैच में 175 रन की शतकीय पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत 412 रन का टारगेट देने में कामयाब रहा। वैभव ने इस टूर्नामेंट के 7 मैचों में 74 के एवरेज से 444 रन बनाए। इनमें एक शतक 3 अर्धशतक शामिल रहे।

ऑरोन जॉर्ज: ओपनिंग करते हुए सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 115 रन की शतकीय पारी खेली। उस मैच में भारत ने रिकॉर्ड 311 रन का टारगेट चेज किया था। ऑरोन जॉर्ज ने 5 मैचों में 170 रन बनाए।

आयुष म्हात्रे : फाइनल और सेमीफाइनल में अर्धशतकीय पारियां खेलीं। फाइनल में वैभव के साथ 90 बॉल पर 142 रन की साझेदारी की। उन्होंने 7 मैचों में 3 अर्धशतकों के सहारे 214 रन बनाए। इतना ही नहीं, 7 विकेट भी चटकाए।

मलेशिया में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

- प्रधानमंत्री इब्राहिम के साथ कार की सवारी

कुआलालंपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर पहुंचे। इस यात्रा के दौरान मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने व्यक्तिगत रूप से एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया, जो दोनों नेताओं के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है। एयरपोर्ट पर सांस्कृतिक स्वागत भी किया गया, जिसमें भारत और मलेशिया की साझा विरासत को दिखाया गया। बच्चों ने दोनों देशों के झंडे लहराते हुए लाइन लगाकर

पीएम मोदी का अभिनंदन किया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वे अपने मित्र अनवर इब्राहिम द्वारा दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से गहराई से प्रभावित हैं। भारत-मलेशिया के बीच दोस्ती को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। यह पीएम मोदी की 2015 के बाद मलेशिया की तीसरी यात्रा है, जो अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर हो रही है।

एयरपोर्ट से ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने एक ही कार में सवार होकर कुआलालंपुर में कम्युनिटी कार्यक्रम की ओर रवाना हुए। इस कार राइड ने दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत रिश्ते और लोगों के बीच जुड़ाव को खास तौर पर उजागर किया। पीएम मोदी ने कार में बैठे हुए एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'भारत-मलेशिया लोगों के बीच जुड़ाव का जश्न! पीएम अनवर इब्राहिम और मैं कुआलालंपुर में कम्युनिटी प्रोग्राम की ओर जा रहे हैं।'

800 डांसर्स का क्रार्यक्रम

- यह कम्युनिटी कार्यक्रम 'सेलामत दतंग मोदीजी' नाम से माइंस इंटरनेशनल एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (MIECC) में आयोजित किया गया। भारतीय डायस्पोरा की ओर से आयोजित इस इवेंट में लगभग 800 डांसर्स ने लगातार पांच मिनट तक कोरियोग्राफ्ड डांस परफॉर्मेंस दी, जिसमें भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों की विविधता दिखाई गई।
- यह मलेशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रवेश करने का प्रयास था। कार्यक्रम में हजारों भारतीय मूल के लोग शामिल हुए, जो भारत-मलेशिया के सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का माध्यम बना। पीएम मोदी ने इस दौरान डायस्पोरा से बातचीत किया और साझा मूल्यों पर जोर दिया।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट केस में कोर्ट को जवाब

- वोटर लिस्ट-नागरिकता सरकार के मसले

नई दिल्ली. सोनिया गांधी ने नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाने के केस में अपना जवाब दाखिल किया है। शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट को दिए जवाब में कहा उनके खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका गलत और अनुमानित तथ्यों पर आधारित है। यह याचिका ओछी राजनीति से प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। स्पेशल जज (CBI) विशाल गोगने की कोर्ट में वकील के जरिए दायर जवाब में सोनिया ने भारतीय नागरिकता हासिल करने से पहले वोटर लिस्ट में शामिल होने से जुड़े आरोपों का खंडन किया। साथ ही पुनर्विचार याचिका को खारिज करने की मांग की है। मामले की सुनवाई अब 21 फरवरी को होगी।

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी 13 अगस्त को दावा किया था कि सोनिया गांधी का नाम भारत की वोटर लिस्ट में दो बार तब शामिल हुआ, जब वह भारतीय नागरिक नहीं थीं।

मालवीय ने X पर लिखा, 'यह पूरा मामला चुनावी कानून के स्पष्ट उल्लंघन का उदाहरण है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी भी ऐसे मतदाताओं को वैध करने के पक्ष में रहते हैं, जो अयोग्य या अवैध हैं और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का विरोध करते हैं।'

नागौर में ज्वैलरी शॉप से सोने की चेन लेकर उड़ गया कबूतर

नागौर. राजस्थान के नागौर जिले से सामने आया एक अनोखा और हैरान करने वाला मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। यहां एक कबूतर ज्वेलरी शॉप से सोने की चेन चोंच में दबाकर उड़ गया और कुछ ही देर बाद उसे अपने गले में डालकर बैठा नजर आया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे देखकर हैरानी के साथ-साथ जमकर मजेदार प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं।

जहां एक ओर देशभर में सोने-चांदी के भावों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, वहीं नागौर से सामने आए इस वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 'सोने की चेन पहने कबूतर' की इस अनोखी तस्वीर ने न सिर्फ सर्राफा कारोबारियों बल्कि आम लोगों को भी चौंका दिया है।

डेगाना कस्बे का बताया जा रहा वीडियो

जानकारी के अनुसार यह वायरल वीडियो नागौर जिले के डेगाना कस्बे का है। डेगाना के सर्राफा बाजार में स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर रोज की तरह सोने के आभूषण तैयार किए जा रहे थे। दुकान के काउंटर पर कारीगर सोने की चेन पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक कबूतर उड़ता हुआ दुकान के अंदर आ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसी को कुछ समझ में आता, उससे पहले ही कबूतर ने काउंटर पर रखी तैयार हो रही सोने की चेन को अपनी चोंच में दबा लिया और तेजी से उड़ गया। कुछ ही पलों में वह दुकान के बाहर जाकर पास की जगह पर बैठ गया। इसके बाद जो नजारा सामने आया, उसने सभी को चौंका दिया।

20 रुपए की घूस और 30 साल कानूनी लड़ाई

- बरी होने के अगले ही दिन कांस्टेबल ने तोड़ा दम

अहमदाबाद. गुजरात से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक पुलिस कांस्टेबल अपने ऊपर लगे 20 रुपए की रिश्वत लेने के दाग को मिटाने के लिए करीब 30 साल तक कानूनी लड़ाई लड़ता रहा और आखिरकार उनकी मेहनत रंग भी लाई और हाई कोर्ट ने उन्हें इस मामले में बरी करते हुए उनके दामन से यह दाग भी मिटा दिया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। क्योंकि अपने बेदाग होने की खुशी को वह ज्यादा देर तक सेलिब्रेट नहीं कर सके और एक दिन बाद ही नींद में उनकी मौत हो गई।

खास बात यह है कि हाई कोर्ट के 4 फरवरी को दिए गए फैसले में बेगुनाह बताए जाने के बाद उन्होंने अपने वकील से कहा था, 'मेरी जिंदगी से कलंक हट गया है, अब अगर भगवान मुझे उठा भी ले, तो कोई दुख नहीं होगा।'

यह मामला 20 नवंबर, 1996 को तब शुरू हुआ था जब कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति समेत वेजलपुर पुलिस स्टेशन में तैनात दो अन्य कांस्टेबलों पर ट्रक ड्राइवरों से 20-20 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज किए गए मामले के अनुसार वह गाड़ियों को शहर में अवैध रूप से घुसने देने के बदले ट्रक ड्राइवरों से 20 रुपए की रिश्वत ले रहे थे। जिसके बाद एसीबी ने एक जाल बिछाकर तीनों को पकड़ा था और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। उस समय प्रजापति की उम्र करीब 34 साल थी और वह अहमदाबाद में रहते थे, लेकिन बाद में वह पाटण जिले में स्थित अपने गृहनगर में शिफ्ट हो गए थे, और वहीं से कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे।

संक्षेप...

चार देसी पिस्तौल के साथ आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे शहर में अपराध शाखा की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को चार देसी पिस्तौल और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने भिवंडी तालुका के वेहाले भाटाले इलाके में जाल बिछाया। 2 फरवरी 2026 को दोपहर करीब चार बजे मनकोली नाका से डोंबिवली बायपास जाने वाले मार्ग पर संदिग्ध को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से चार देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

भाजपा की रितु तावड़े BMC महापौर पद की उम्मीदवार

- **शिंदे गुट ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर के लिए चुना**
- **चुनाव 11 फरवरी को**

मुंबई. मुंबई में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए BJP और शिवसेना ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। BJP की रितु तवाड़े ने शनिवार को महापौर पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है।

तवाड़े और घाड़ी ने नगर निगम सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। मेयर का चुनाव 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे होगा।

संभावना है कि शिवसेना ठाकरे गुट भी मेयर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा कर सकता है।

BJP नेता अमित साटम ने रितु तवाड़े का नाम घोषित किया। तवाड़े वार्ड 132 की पार्षद हैं।

■ BMC में शिक्षा समिति की अध्यक्ष रह चुकी हैं

रितु पहली बार 2012 में वार्ड संख्या 127 से पार्षद चुनी गई थीं। 2017 में घाटकोपर के वार्ड नंबर 121 से पार्षद बनी थीं। वे पहले मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

■ शिवसेना 15 महीने पर बदलेगी डिप्टी मेयर

शिवसेना के सचिव संजय मोरे ने कहा कि घाड़ी अगले 15 महीने तक डिप्टी मेयर के रूप में काम करेंगे। घाड़ी पहले शिवसेना (UBT) के वरिष्ठ कॉरपोरेटर थे। बाद में उन्होंने एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना जॉइन की।

शिवसेना ने डिप्टी मेयर का पद चार हिस्सों में बांटकर चार अलग-अलग पारष्दों को मौका देने का फैसला किया है। यह कदम पार्टी के भीतर संतुलन बनाए रखने और वरिष्ठ नेताओं को मौका देने के लिए लिया गया है।

बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी

227 सदस्यीय BMC चुनाव में BJP 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी को कुल 11,79,273 वोट (21.58%) मिले थे। BJP के सभी विजेता उम्मीदवारों का कुल वोट शेयर 45.22% रहा। उसके गठबंधन साथी शिवसेना (शिंदे गुट) ने 29 सीटें जीतीं।

मेयर के पास क्या-क्या पावर होती है

बीएमसी में मेयर और कमिश्नर दो पद सबसे बड़े होते हैं। मेयर नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। शहर का औपचारिक प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्तावों और बहसों पर चर्चा करते हैं। मतलब मेयर का काम ज्यादातर औपचारिक और प्रतिनिधित्व तक सीमित होता है। जबकि असली प्रशासनिक और कार्यकारी जिम्मेदारी कमिश्नर के पास होती है। कमिश्नर शहर का रोजमर्रा प्रशासन चलाते हैं। बजट, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और कर्मचारियों का कंट्रोल उनके हाथ में होता है। कमिश्नर आम तौर पर IAS अधिकारी होते हैं।

BMC चुनाव क्यों है खास

74,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी BMC पर बिना बंटे शिवसेना ने (1997–2017) तक राज किया था। तब BJP उसकी सहयोगी थी। मुंबई नगर निगम का बजट गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के बजट से भी बड़ा है।

भिवंडी भाजपा विधायक महेश चौगुले को लगा धक्का

- **पूर्व मेयर विलास पाटिल सहित सभी लोगों की जमानत हुई मंजूर**
- **भिवंडी महापौर चुनाव की घंटी जल्द घनघनाने के आसार**

भिवंडी. 15 जनवरी को सम्पन्न हुए भिवंडी मनपा चुनाव में मनपा प्रभाग क्रमांक 1 से भाजपा पैनल के सभी 4 उम्मीदवारों को पराजय का सामना करना पड़ा था. भिवंडी विकास आघाड़ी प्रत्याशी पूर्व मेयर विलास आर पाटिल,धर्मपत्नी पूर्व मेयर प्रतिभा विलास पाटिल,एड मयूरेश पाटिल का पैनल प्रचंड मतों से जीत दर्ज कराई थी.मनपा चुनाव मैदान में उतरे हुए भाजपा प्रत्याशी विधायक चौगुले पुत्र मीत महेश चौगुले की हार से आक्रोशित भाजपा समर्थकों ने पूर्व मेयर विलास आर पाटिल की नामौजूदगी में गोकुल नगर स्थित पूर्व मेयर पाटिल के आलीशान बंगले में तोड़फोड़ की और गाड़ियों के कांच तोड़कर भारी नुकसान किया.उक्त घटना से नाराज पूर्व मेयर विलास पाटिल के समर्थकों ने भी भारी विरोध दर्शाते हुए शिवाजी चौक स्थित भाजपा विधायक महेश चौगुले के कार्यालय में तोड़फोड़ की और दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं में हुई मारपीट में दर्जनों कार्यकर्ता घायल हुए थे.घटना के बाद निजामपुर पुलिस ने भाजपा समर्थकों की शिकायत पर पूर्व मेयर पाटिल और परिजनों सहित करीब 22 लोगों पर धारा 346,307 के तहत आपराधिक मामला दाखिल

किया बावजूद पूर्व मेयर पाटिल की शिकायत पर देर रात तक कोई संज्ञान नहीं लिया. निजामपुर पुलिस ने पूर्व मेयर विलास पाटिल,पूर्व मेयर प्रतिभा विलास पाटिल द्वारा काफी मशक्कत, होहल्ला किए जाने के बाद पुलिस द्वारा भाजपा विधायक महेश चौगुले के समर्थकों पर क्रास कंप्लेंट का मामला दाखिल किया गया था.विगत 20

दिन से शहर में चर्चा का विषय बने हाईप्रोफाइल मामले में भिवंडी सेशन कोर्ट न्यायाधीश ने वकीलों की जिरह के बाद पूर्व मेयर विलास पाटिल,एड मयूरेश पाटिल,जय पाटिल सहित अन्य आरोपियों पर पुलिस द्वारा लगाई गई नॉन बेलेबल धारा 307 को पूर्णतया निरस्त कर दिया है. न्यायाधीश ने पूर्व मेयर विलास पाटिल सहित परिजनों, समर्थकों की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए कहा कि,पूर्व मेयर के परिजनों,समर्थकों पर प्रथम दृष्टया 307 का कोई मामला फ्रेम नहीं होता है.चुनाव परिणाम के बाद संयम बरतना जरूरी होता है.भाजपा समर्थकों द्वारा पूर्व मेयर विलास पाटिल के बंगले पर हुई तोड़फोड़ कदापि उचित नहीं है.पुलिस को निष्पक्षता से कानूनी कार्य करना चाहिए.कोर्ट के फैसले से पूर्व मेयर विलास आर पाटिल के समर्थकों में भारी खुशी व्याप्त है.उक्त जानकारी एड नारायण अय्यर ने दी.

शहरवासी भिवंडी सेशन कोर्ट के निर्णय को पूर्व मेयर विलास आर पाटिल परिवार की जीत और भाजपा विधायक महेश चौगुले की करारी हार के रूप में देख रहे हैं.पूर्व मेयर विलास पाटिल ने अदालती निर्णय को इंसाफ की जीत बताया है.

भिवंडी में अब बढ़ेगा महापौर का शेयर बाजार

शहरवासियों की माने तो भिवंडी महापौर का चुनाव इसी निर्णय की आस जोह रहा था.भिवंडी में महापौर के प्रबल दावेदारों में पूर्व मेयर विलास पाटिल का नाम सबसे ऊपर है.चुनाव परिणाम घोषणा के 20 दिन बाद भी महापौर चुनाव घोषित नहीं हुआ जिसका एकमेव कारण पूर्व मेयर विलास पाटिल का कोर्ट केस में में उलझना बताया जा रहा था. पूर्व मेयर विलास आर पाटिल की कोर्ट में जमानत मंजूर होते ही नगरसेवकों की बांछे खिल गई हैं. भिवंडी महापौर चुनाव जल्द होने की आहट शुरू हो चुकी है.

यूथ कांग्रेस का आक्रामक आंदोलन

कल्याण. एप्सटीन फाइल्स के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस आक्रामक होती नजर आ रही है। कल्याण पश्चिम में युवक कांग्रेस ने एप्सटीन फाइल्स को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया।

कल्याण पश्चिम के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर इकट्ठा हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की।आंदोलनकर्ताओं के हाथों में ₹एप्सटीन-मोदी, भाई-भाई₹ के पोस्टर नजर आए। इस दौरान कांग्रेसियों ने सड़क पर बैठकर चक्का जाम करने की कोशिश की। हालांकि आंदोलन उग्र होता देख बाजारपेठ पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजभाऊ पातकर, युवक जिलाध्यक्ष जपजीत (बॉबी) सिंह माटा, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष शादाब खान सहित कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। आंदोलन में गोरीला और मराठी फिल्म झपाटलेला का किरदार तात्या बिंचु की वेशभूषा पहने आंदोलक भी दिखाई दिए।

‘उड़ान’ में एसएसटी कॉलेज की शानदार उड़ान; ‘महाउड़ान’ के फाइनल राउंड के लिए सीधा चयन

उल्हासनगर : एस.एस.टी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ने मुंबई विश्वविद्यालय के आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग (DLLE) तथा साकेत ज्ञानपीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘उड़ान’ प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। पोवाड़ा गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा पथनाट्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल कर महाविद्यालय ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि के आधार पर एसएसटी महाविद्यालय की पोवाड़ा टीम का ‘महाउड़ान’ अंतर-ज़ोन फाइनल राउंड के लिए चयन हुआ है।

‘महाउड़ान’ का अंतिम राउंड 17 फरवरी 2026 को मुंबई विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी ज़ोनों से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमें भाग लेंगी। ज़ोन स्तर पर उत्कृष्ट एवं प्रभावशाली प्रस्तुति देने वाले महाविद्यालयों को ही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाता है। उसी क्रम में एसएसटी महाविद्यालय ने अपने दमदार प्रदर्शन के बल पर यह पात्रता प्राप्त की है।

पोवाड़ा गायन महाराष्ट्र की समृद्ध लोककला है, जिसके माध्यम से इतिहास, शौर्य, सामाजिक चेतना तथा सांस्कृतिक विरासत का सशक्त चित्रण होता है। ‘महाउड़ान’ जैसे उपक्रमों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व गुण, टीम भावना और अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है, साथ ही लोककला का संरक्षण एवं प्रसार भी होता है—ऐसा प्रतिपादन इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए DLLE के संचालक डॉ. बळीराम गायकवाड ने किया। इस अवसर पर प्रा. डॉ. कुणाल जाधव तथा DLLE के जिला समन्वयक प्रा. दिलीप आहुजा उपस्थित थे।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सदान जावरे ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी, प्राध्यापकवर्ग, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने अभिनंदन करते हुए ‘महाउड़ान’ के अंतिम राउंड के

मॉडर्न न्यूरो-नेविगेशन टेक्नोलॉजी ब्रेन ट्यूमर के मरीज़ों के लिए वरदान

- **ठाणे के सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने कई लोगों की जान बचाई**

उल्हासनगर. ठाणे के कासारवडवली में दो भाइयों डॉ. दीपक ऐवले (न्यूरोलॉजिस्ट) और डॉ. अमित ऐवले (न्यूरोसर्जन) का बनाया सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ब्रेन ट्यूमर के मरीज़ों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस हॉस्पिटल में ब्रेन सर्जरी ज़्यादा सुरक्षित, कम दर्दनाक होती है और खोपड़ी को खोले बिना नाक से की जा सकती है। इस वजह से यह हॉस्पिटल ब्रेन ट्यूमर के मरीज़ों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

इस मॉडर्न न्यूरो-नेविगेशन टेक्नोलॉजी के बारे में सबको बताने के लिए, हॉस्पिटल की तरफ़ से उल्हासनगर के शांतिनगर इलाके में विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास प्रवीण इंटरनेशनल होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई। इस हॉस्पिटल की वजह से जान बचाए गए मरीज़ भी इस इवेंट में शामिल हुए और हॉस्पिटल और इसकी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी शेयर की।

सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चीफ न्यूरोसर्जन और डायरेक्टर डॉ. अमित ऐवले ने कहा, “हम ट्यूमर हटाने के लिए न्यूरो-नेविगेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं। न्यूरो-नेविगेशन दिमाग के लिए GPS की तरह है, जो सर्जनों को रियल-टाइम इमेजिंग के ज़रिए ट्यूमर या प्रॉब्लम वाली जगह को एकदम सही टारगेट करने के लिए गाइड करता है। यह एडवांस्ड टेक्नोलॉजी ब्रेन सर्जरी को ज़्यादा सुरक्षित, कम दर्दनाक और ज़्यादा सटीक बनाती है, साथ ही ज़रूरी कामों को बचाती है और मरीज़ों की सेहत को बेहतर बनाती है। न्यूरो-नेविगेशन मरीज़ों को सबसे अच्छी एक्यूरेसी, कम चीरे, कम ट्रॉमा और तेज़ी से ठीक होने में मदद करता है। ब्रेन ट्यूमर सर्जरी के बाद मरीज़ों को जल्दी छुट्टी दे दी जाती है। यह नेविगेशन टेक्नोलॉजी सर्जनों को हर स्टेज पर बहुत मुश्किल एनाटॉमिकल एरिया में सर्जिकल लक्ष्यों के साथ बने रहने में मदद करती है। यह डिवाइस मरीज़ों के लिए एक वरदान है।”

इस बीमारी के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. अमित ऐवले ने कहा कि सिरदर्द और नज़र कम होने के लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें। क्योंकि ये ब्रेन ट्यूमर के लक्षण हो सकते हैं। उल्हासनगर के रहने वाले अनिल बोराडे (उम्र 55), जो आधारवाड़ी जेल में हेड कांस्टेबल के तौर पर काम करते हैं। साथ ही अनिल सोनावणे (उम्र 36), जो एक इंश्योरेंस कंपनी में टीम लीडर के तौर पर काम करते हैं। इन दोनों को ठाणे के सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल से “लाइफसेविंग” मिली है। दोनों मरीज़ पिट्यूटरी ग्लैंड के ब्रेन ट्यूमर से परेशान थे।

सोलारिस हॉस्पिटल में एक ही छत के नीचे ये सारी सुविधाएं होने से, यह सर्जरी करना और मरीज़ की नज़र वापस लाना और कान की समस्याओं का इलाज करना बहुत आसान हो गया है। पिछले ढाई साल में, सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने इस नई न्यूरो-नेविगेशन टेक्नोलॉजी और मिनिमली-इनवेसिव प्रोसीजर का इस्तेमाल करके ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित 100 से ज़्यादा मरीज़ों की जान बचाई है। यह बात डॉ. अमित ऐवले (न्यूरोसर्जन) ने भी कही।

‘मेरे बयान को गलत समझा गया’

- **विक्रांत मैसी ने ‘रिटायरमेंट पोस्ट’ पर तोड़ी चुप्पी**
- **बोले- मैं इमोशनल बर्नआउट से गुजर रहा था**

एक्टर विक्रांत मैसी ने दिसंबर 2024 में फिल्मों से ब्रेक लेने के अपने ऐलान पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने बताया कि वह मेंटल और इमोशनल बर्नआउट से गुजर रहे थे और अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे। रिटायरमेंट का उनका कोई इरादा नहीं था।

टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में विक्रांत मैसी ने कहा कि उनका बयान गलत तरीके से समझ लिया गया। उन्होंने कहा, “X (ट्विटर) पर शब्दों की लिमिट होती है। मैंने उन्हीं शब्दों में पूरी बात बताने की कोशिश की, लेकिन सब कुछ लोगों तक नहीं पहुंच पाया। कई बातें गलत समझ ली गईं। मैं सिर्फ ब्रेक लेना चाहता था। उस वक्त मैं काफी ज्यादा थक चुका था।”

इंटरव्यू में विक्रांत ने बताया कि ब्रेक के दौरान विक्रांत मैसी ने अपने काम पर दोबारा नजर डाली। उन्होंने अपनी सभी फिल्मों को देखा और समझने की कोशिश की कि वह खुद को कैसे बेहतर बना सकते हैं। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और खासतौर पर अपने बेटे के साथ ज्यादा वक्त बिताया, जिसे वह लगातार शूटिंग की वजह से मिस कर रहे थे। यह ब्रेक उनके लिए खुद को फिर से तरोताजा करने और फोकस लौटाने का समय था।

विक्रांत ने कहा कि एक कलाकार सिर्फ लंबे शूटिंग शेड्यूल से नहीं थकता, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी पूरी तरह खुद को झोंक देता है। किसी किरदार को निभाने में कलाकार अपनी सारी एनर्जी लगा देता है, जिससे थकान होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि एक साल में चार फिल्मों की शूटिंग करना बहुत मुश्किल होता है।

उन्होंने ‘12th फेल’, ‘साबरमती एक्सप्रेस’ और ‘सेक्टर 26’ का जिक्र करते हुए कहा कि वह इन फिल्मों के लिए आभारी हैं, लेकिन एक ही साल में इतनी फिल्में करना आसान नहीं होता।

वरिष्ठ नागरिक डिजिटल पहचान पत्र के लिए आवेदन शुरू

ठाणे. मनपा परिवहन सर्विस की बसों में यात्रा के लिए 60 साल और उससे ज़्यादा उम्र के सीनियर सिटिज़न को डिजिटल पहचान पत्र देने का फ़ैसला किया गया है और आवेदन बांटने, उन्हें भरकर ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ जमा करने का प्रोसेस चल रहा है।अभी ठाणे स्टेशन, कोपरी आगार, आनंद नगर और वागले आगार में आवेदन लेना शुरू हो गया है।सीनियर सिटिज़न से बढ़ते रिस्पॉन्स को देखते हुए, शनिवार, 7 फरवरी, 2026 से वृंदावन सोसाइटी, लोकमान्यनगर टर्मिनस, पवारनगर टर्मिनस और धर्मवीर चौक पर एप्लीकेशन लेना शुरू करने का फ़ैसला किया गया है। इन सेंटर्स पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक एप्लीकेशन लिए जाएंगे और लोगों से अपील की गई है कि वे सैंपल आवेदन भरकर

ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ जमा करें।डिजिटल पहचान पत्र के हिसाब से यह स्कीम 1 मार्च, 2026 से शुरू करने का प्लान है। इस बीच,परिवहन विभाग ने सीनियर सिटिज़न्स से अपील की है कि वह परिवहन सर्विस में सहयोग करें और इस बात पर ध्यान दें कि जब तक सभी आवेदन को उनके आइडेंटिटी कार्ड नहीं मिल जाते, तब तक फ्री ट्रैवल कंसेशन पुराने सिस्टम के हिसाब से जारी रहेगी, यह देखते हुए कि आइडेंटिटी कार्ड के लिए मिली आवेदन पर विचार किया जा रहा है।

लोकल में महिला की सुरक्षा पर सवाल

मुंबई. लोकल ट्रेन में एक बार फिर महिला सुरक्षा पर सवाल खड़े करने वाली घटना सामने आई है. लोकल में सफर कर रही एक महिला के साथ कथित छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है. दादर से मुलुंड के बीच यात्रा के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा महिला की तरफ अशोभनीय इशारे किए जाने का आरोप है. पीड़िता की शिकायत के आधार पर रेलवे पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

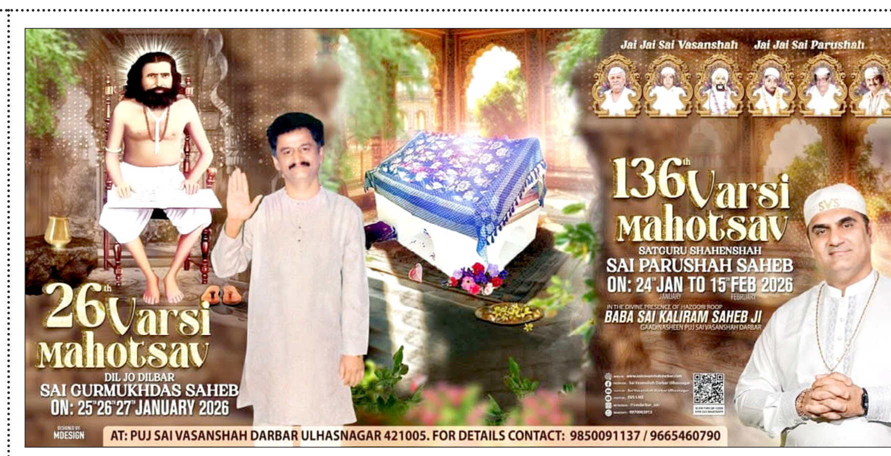

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099